राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

दिव्य दर्शनीय स्वरूप कैसे बनें

बाबा ने हम सभी बच्चों को समय अनुसार यही पुरूषार्थ का लक्ष्य दिया है कि बच्चे तुम्हें अनेक आत्माओं को अपने दिव्य दर्शनीय स्वरूप के द्वारा अनुभव कराना है और समय की मांग भी यही है कि अब पुरूषार्थ ऐसा करें, क्योंकि अचानक का पार्ट है और समय की तीव्रता को देखते हुए अभी बहुत कम समय रह गया है। जिस तरह आदि में ब्रह्मा बाबा के द्वारा अनेक दादियों को ये साक्षात्कार होता था कि बाबा का दिव्य स्वरूप और कृष्ण का स्वरूप देखते थे। और वो इशारा करते थे कि आप इनके पास जाओ। ये अनुभव दादियों ने जब किया तभी उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को समर्पित किया, बाबा की ईश्वरीय सेवा में। इसी तरह आगे चलते-चलते जैसे-जैसे विदेश सेवा हमारी आरम्भ हुई तो दादियों के द्वारा भी कईयों को साक्षात्कार होता था।

मुझे याद आता है कि एक बार दादी प्रकाशमणि जी ने विदेशी भाई-बहनों से जब मिलना हो रहा था तो विदेशी भाई-बहनों से पूछा कि आप सभी में कितनों को साक्षात्कार हुआ और बाबा के बने? तो देखा गया मैजॉरिटी भाई-बहनों ने हाथ उठाया कि हम साक्षात्कार के माध्यम से बाबा के पास आये, बाबा का ज्ञान लिया। जब और डिटेल से पूछा गया कि कहा किसी को दादी प्रकाशमणि का साक्षात्कार हुआ, किसी को दादी जानकी का साक्षात्कार हुआ, किसी को दादी गुल्जार जी का साक्षात्कार हुआ और वो साक्षात्कार में उन्हें यही जैसे इशारा मिलता था कि सफेद वस्त्रधारी के पास आप जाओ। और उस साक्षात्कार के बाद उनका जीवन एकदम परिवर्तन होकर बाबा के सम्पर्क में आये। और सम्पूर्ण जीवन ही बदल गया।

तो जब बाबा कहते कि आदि सो अन्त। जो पार्ट आदि में चला, नैचुरल है अन्त में भी चलेगा। लेकिन अभी तो बाबा है नहीं साकार में। ना दादियां साकार में हैं, अव्यक्त हो गये। एडवांस पार्टी में पार्ट बजाने को गये। तो अन्तिम समय में साक्षात्कार कौन करायेगा? बाबा ही हम बच्चों के द्वारा साक्षात्कार करायेगा। और अनेक आत्माओं को ये महसूसता होगी। तभी तो अन्तिम समय ये नगाड़ा बजेगा या हरेक आत्मा के दिल से ये भाव निकलेगा, ये अनुभूति होगी कि हमारा बाबा आ गया है। प्रैक्टिकल में बाबा ये बात कहते थे कि अन्तिम समय, प्रत्यक्षता के समय हर कोई कहेगा कि 'हमारा बाबा आ गया'।

अन्दर में एक विचार चलता था कि ऐसे कैसे होगा? परंतु अभी जब बाबा ने अयोध्या की यात्रा कराई तो एक बहुत सुन्दर अनुभव का एक रिहर्सल देखा। क्योंकि अयोध्या के अन्दर जहाँ भी जाते थे तो ये गीत बजता था कि हमारे राम आयेंगे, हमारे राम आयेंगे। तो भले वो निमित्त मात्र राम के तस्वीर को सामने रखते हुए कहते थे कि हमारे राम आयेंगे लेकिन अन्दर कहीं न कहीं भाव तो उस परमात्मा के लिए ही था। और इसी तरह जब प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद माननीय प्रधानमंत्री जी ने स्टेज पर आकर तीन बार कहा कि हमारा राम आ गया, हमारा राम आ गया, हमारा राम आ गया। तो उस समय मुझे सामने बैठे यही अनुभव हो रहा था कि एक दिन आयेगा शायद माननीय प्रधानमंत्री जो भी होगा वो ये कहेगा, चाहे लाल किले के मैदान से कहे, या डायमंण्ड हॉल की स्टेज से कहेगा कि हमारा बाबा आ गया... हमारा बाबा आ गया... हमारा बाबा आ गया। इस तरह की एक ऐसी अनुभूति हो रही थी वहाँ बैठे-बैठे, ये सुनते हुए कि बाबा एक रिहर्सल दिखा रहा है कि कैसे होगा? क्योंकि मेरे मन में ये प्रश्न था कि कैसे होगा? हरेक व्यक्ति कैसे कहेगा कि हमारा बाबा आ गया लेकिन ऐसा नज़ारा बाबा ने दिखाया कि सचमुच जब प्रत्यक्षता होगी तो किस तरह खुशी में आकर, जैसे अभी एक राम मन्दिर बना तो खुशी में आकर जो भी, जहाँ भी देखो तो बस हमारा राम आ गया, हमारा राम आ गया।

> मेरे मन में ये प्रश्न था कि कैसे होगा? हरेक व्यक्ति कैसे कहेगा कि हमारा बाबा आ गया लेकिन ऐसा नज़ारा बाबा ने दिखाया कि सचमुच जब प्रत्यक्षता होगी तो किस तरह खुशी में आकर, जैसे अभी एक राम मन्दिर बना तो खुशी में आकर जो भी, जहाँ भी देखो तो बस हमारा राम आ गया, हमारा राम आ गया।

भाव यही अब वो दिन शायद दूर नहीं क्योंकि जैसे कहा जाता है कि कई बार बाबा कहते हैं कि बच्चे अभी तो रजो तक पहुंचे हैं, अभी सतोप्रधानता की स्टेज तक तो वो दूर हैं, साकार मुरलियों में हम सुनते रहे ये बात। लेकिन ये राम मन्दिर बनने के समय ऐसा महसूस हुआ कि सेमी सतो तक तो पहुंच गये हैं। और सेमी सतो के बाद क्या होगा? सतोप्रधान, तो ये कहेंगे कि हमारा कृष्ण आ गया, हमारा कृष्ण आ गया। ये कहेंगे? और उसके बाद जब फाइनल प्रत्यक्षता होगी तो क्या कहेंगे? हमारा बाबा आ गया, हमारा बाबा आ गया। तो एक बहुत सुन्दर अनुभूति हुई। तभी जैसे ये बात कही गई और हेलीकॉप्टर से जैसे पुष्प वर्षा हो रही थी तो मुझे ऐसा अनुभव हो रहा था कि जब ऐसा प्रत्यक्षता का नगाड़ा बजेगा तो बाबा वतन से गोल्डन पुष्पों की वर्षा हरेक आत्मा पर करेगा। एक बहुत सुन्दर अनुभव था। जिसको मैं कितना भी चाहूँ वर्णन करने के लिए लेकिन मैं वर्णन नहीं कर पा रही हूँ उस बात को। उस समय मुझे इतनी खुशी हो रही थी कि सचमुच बाबा अधर्म का नाश और सतधर्म की स्थापना कर रहे हैं और उस समय हर आत्मा जैसे वहाँ पर भी देखा कि एक राम मन्दिर बनने के बाद कई लोगों की आँखों में आंसू थे, झर-झर रो रहे थे। तो लगा कि जब बाबा की प्रत्यक्षता होगी तो आत्मायें झर-झर रोयेंगी। किसी के अन्दर खुशी के आंसू होंगे तो किसी के अन्दर पश्चाताप के आंसू होंगे, कि हमने पहचाना नहीं। तो एक बहुत अद्भुत अनुभूति थी वो, कि कैसे बाबा की प्रत्यक्षता होगी और हम सब आत्मायें निमित्त बनेंगी। वो दिव्य दर्शनीय मूर्त द्वारा साक्षात्कार कराने के लिए। -क्रमशः

मुम्बई-बोरिवली। ब्रह्माकुमारीज द्वारा एमसीजीएम ग्ले ग्राउण्ड,दसिहर पूर्व,अशोक वन में आयोजित 'श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक मेला' का शुभारंभ यूनियन मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल द्वारा किया गया। इस मौके पर बोरीवली विस्तार के अनेक नेता प्रकाश सुर्वे, प्रवीण दरेकर, प्रकाश दरेकर व अन्य गणमान्य लोगों सहित राजयोगिनी ब्र.कु. दिव्यप्रभा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे। मेले में मुख्य आकर्षण के तौर पर 12 फीट ऊँचा व 10 फीट चौड़ा,तमिलनाडु का प्रसिद्ध रामनाथ स्वामी मंदिर बनाया गया जिसमें श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग स्थापन किया गया।

औरंगाबाद-बिहार। ब्रह्माकुमारीज की आध्यात्मिक फिल्म 'द लाइट' की सफल लॉन्चिंग नरेंद्र टॉकिज औरंगाबाद में की गई। फिल्म का शुभारंभ सांसद सुशील कुमार सिंह, कुटुंबा प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र जी, भाजपा कुटुंबा मंडल अध्यक्ष प्रवीण कुमार, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी आदि गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित 650 से भी अधिक दर्शक मौजूद रहे।

बागेश्वर-उत्तराखंड। बागेश्वर पाठशाला में आयोजित शिव जयंती के कार्यक्रम में विधायक श्रीमती पार्वती दास, ब्र.कु. नीलम बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

अमानगंज-पन्ना(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज गीता पाठशाला में आने पर गुन्नौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा, श्रीमती सरिका बहन, नगर परिषद अध्यक्ष आदि गणमान्य लोगों को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए उपसेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सीता बहन।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। गड़ीमलहरा एवं ग्राम गोरारी से ब्र.कु. प्रभाशी एवं ब्र.कु. प्रीति ने स्वेच्छा एवं अपने माता-पिता की अनुमति के साथ अपना जीवन ईश्वरीय सेवार्थ परमात्मा शिव को समर्पित किया। इस अवसर पर शिव प्रतिमा के साथ दोनों बहनों को रथ पर विराजित कर नगर में ढोल बाजे एवं कलश यात्रा के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। मौके पर आयोजित समर्पण कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष नीता अहिरवार व उनका समस्त स्टाफ, छतरपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, नौगांव सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. नंदा बहन, बड़ामलहरा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रूपा बहन, हरपालपुर से ब्र.कु. आशा बहन, बिजावर से ब्र.कु. प्राची, लवकुश नगर से ब्र.कु. सुलेखा, खजुराहो से ब्र.कु. नीरजा सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दिल्ली-रजौरी गार्डन। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित 'नशा मुक्त भारत अभियान' के शुभारंभ कार्यक्रम में विधायक शिव चरण गोयल, ब्रह्माकुमारीज रजौरी गार्डन सबजोन प्रभारी ब्र.कु. शक्ति दीदी, मेहता भाई आदि उपस्थित रहे। इस अभियान के तहत अशोक नगर, कीर्ति नगर, स्वदर्शन पार्क, बस्सई, विष्णु गार्डन, टैगोर गार्डन, चौखंडी, महावीर नगर, शिवाजी एनक्लेव, रघुवीर नगर, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, नारायणा आदि अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर सभी को व्यसनों के प्रति जागरुक किया गया। इस दौरान नेशनल अकाली दल अध्यक्ष व फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, चंदेला जी,पूर्व विधायक, हिमांशु सेठी,सीईओ ऑफ एंजल वर्चुअल प्रा.लि. एवं आरएसएस के प्रतिनिधि व अन्य गणमान्य लोगों सहित शहर के लोग व बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

सेल्फ हेल्प

उन कामों से दूर रहें जो समय खराब करते हैं

समय को लेकर हमारी सोच बहुत जरूरी है

समय के इस्तेमाल के बारे में आपकी पसंद ही आपकी ज़िंदगी के स्तर का निर्धारण करती है। हमें अपने समय को लेकर सख्त होना चाहिए। कम महत्व की गतिविधियों पर वक्त न गंवाने को लेकर सख्त होना चाहिए। ऐसी तमाम गतिविधियों को पहुंच से बाहर कर दें जो आपको समय का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल न लगती हों। इस तरह की सोच से आप बेहतर विकल्पों की तलाश कर पायेंगे।

जब किसी के बारे सोचें तो अच्छा ही सोचें

परमात्मा का कहना है, कभी किसी के प्रति मन में द्वेष व घृणा नहीं रखना। जब हम ऐसा करते हैं तब जीवन का आनंद ले रहे होते हैं। जब हम किसी से नाराज़ होते हैं तो अपनी भावनाओं का नियंत्रण उसके हाथों में दे देते हैं। माफ करना बहुत आसान है। जब हम उस व्यक्ति के बारे में सोचें तो अच्छा सोचें, कल्याणकारी सोचें। सकारात्मक विचार नकारात्मक विचारों को नष्ट कर देते हैं।

सोच बदलने से बदलेगी जीवन की गुणवत्ता

अगर जीवन में कुछ ऐसा है जिससे आप खुश नहीं है तो आपको कारण का पता लगाना चाहिए। हम आज जो भी हैं या भविष्य में जो बनेंगे, वह हमारी सोच का परिणाम होगा। अगर हम अपनी सोच की गुणवत्ता बदलते हैं तो जीवन की गुणवत्ता बदल लेंगे। इस तरह हम अपनी सोच, भावनायें और परिणाम पर काफी हद तक नियंत्रण हासिल कर लेते हैं।

हमारे तय किये लक्ष्य से ध्यान भटकने न पाये

काम करने के तरीके को बदलना है तो ऐसे उपाय ढूंढें जिससे आप अपने काम को बेहतर बना सकते हों। साथ ही काम का शेड्यूल बनाते समय ध्यान दें कि हमारे हर दिन का कार्य अलग हो ताकि कार्य के प्रति जोश बना रहे, उमंग बना रहे। हमें एक समय में एक ही काम पर फोकस करना चाहिए। क्वालिटी वर्क के लिए जरूरी है कि तय किये लक्ष्य से हमारा ध्यान भटकने न पाये।